अमर उजाला

बरेली
शनिवार, 31 अगस्त 2024
भाषायत कुमार बरेली
PAGE NO :03 BOTTOM

Advt.

आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के पास है 17 वर्षों में 40 हजार से ज्यादा मरीजों के इलाज का अनुभव

स्तन में गांठ या आकार में बदलाव पर रहें सावधान

एसआरएमएस में रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, ऑन्कोसर्जरी, और इम्यूनोथेरेपी की सुविधाएं उपलब्ध

प्रो. (डॉ.) विपुष कुमार

- महिलाओं में सबसे तेजी से बढ़ रहा स्तन कैंसर, अन्य कैंसर के मुकाबले इसकी पहचान कराना बहुत ही आसान
- आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में हर शनिवार को ओपीडी में की जाती है ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग
- स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान होने पर अत्याधुनिक तकनीक द्वारा इसका इलाज सम्भव
- ट्यूमर बोर्ड और मल्टी डिसिप्लिनरी कमेटी की राय से होता है उचित इलाज, अवधि और खर्च का फैसला

रविवार को एक दिन की सीएमई में देश के नामचीन डॉक्टर करेंगे ब्रेस्ट ऑन्कोलॉजी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

जनरल सर्जरी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग की ओर से रविवार (1 सितंबर 2024) को एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में ब्रेस्ट ऑन्कोलॉजी पर सीएमई आयोजित की जा रही है। यह जानकारी सीएमई के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डा.अमित कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) की बरेली शाखा के सहयोग से आयोजित इस सीएमई में शामिल होने देश के नामचीन कैंसर संस्थानों के विशेषज्ञ बरेली पहुंच रहे हैं। एम्स नई दिल्ली के डा. अनुराग श्रीवास्तव, अपोलो पटना की डा.निशिका राय, टाटा मेडिकल सेंटर कोलकता के डा.सजीत अग्रवाल, फोर्टिस हॉस्पिटल गाजियाबाद की डॉ.अनुश्री चरक, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट दिल्ली के डा. विवाक चंचर, अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली की डा. नीरू कदयाल सीएमई में कैंसर के अलग अलग विषयों पर व्याख्यान देंगे। इनके साथ ही बरेली के कैंसर विशेषज्ञ भी अपनी बात रखेंगे।

बरेली: कैंसर महामारी पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रही है। पिछले वर्षों तक ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में सामान्य और प्रचलित था लेकिन अब स्तन कैंसर पहले नंबर पर है। जानकारी का अभाव, इलाज के लिए अक्षम कैंसर सेंटर का चयन स्तन कैंसर को गंभीर स्थिति में पहुंचा देता है। स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, जांच, उपचार और निदान पर अब बात करते हैं श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज स्थित आरआर कैंसर एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर व कैंसर विशेषज्ञ प्रोफेसर (डा.) विपुष कुमार अग्रवाल से।

सवाल-स्तन कैंसर है क्या? यह भी अन्य कैंसर की तरह तड़पाता है?

डा. विपुष- कोशिकाओं की असामान्य और अनियंत्रित वृद्धि और गांठ यदि स्तन में हो तो इसे स्तन कैंसर कहा जाता है। यह लाइलाज नहीं है। अगर इसकी जानकारी आरंभिक स्तर पर हो जाए और योग्य कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श के बाद सही ट्रीटमेंट मिले। लेकिन जागरूकता की कमी, लापरवाही से ऐसा होता नहीं। ज्यादातर महिला स्थिति गंभीर होने तक कैंसर विशेषज्ञ तक पहुंचने के बजाय इधर उधर भटकते हैं। या अक्षम कैंसर सेंटर और अनुभवहीन चिकित्सक के पास पहुंचते हैं। ऐसे में यह बीमारी अंतिम चरण में पहुंच कर गंभीर हो जाती है।

सवाल-आप या महिलाएं खुद इसका परीक्षण कैसे कर सकती हैं?

डा. विपुष- अपने स्तनों का स्वयं परीक्षण करना बहुत आसान है। महिलाएं महीने में एक बार सामान्य रूप से अपने स्तन का परीक्षण करें। इस दौरान स्तन के आकार और रंग में बदलाव, निपल की स्थिति अथवा आकार में बदलाव, निपल का अंदर की ओर मुड़ना, स्तन में सिकुड़न या चकत्ते होना, निपल के आसपास फुंसी या दरोंच, कांख अथवा स्तन के हिस्से में लगातार दर्द के साथ निपल से द्रव निकलना, कंधे के चारों ओर सूजन होना जैसा कुछ भी महसूस हो, तो तुरंत अपने चिकित्सक से परामर्श करें।

सवाल-क्या स्तन में गांठ कैंसर होती है?

डा. विपुष- नहीं। स्तन में होने वाली सभी गांठ कैंसर हों, यह जरूरी नहीं। यदि स्तन में काफी समय से गांठ है। उसके आकार में बदलाव भी हो रहा है। तो कैंसर की आशंका बढ़ती है। यह मैमोग्राफी से कंफर्म होता है।

सवाल-क्या पारिवारिक हिस्ट्री वाली महिलाओं में स्तन कैंसर की आशंका है?

डा. विपुष- जी बिल्कुल। यदि परिवार में स्तन कैंसर से पीड़ित होने का इतिहास है, तो उस परिवार की लड़कियों में स्तन कैंसर होने का खतरा होता है। हालांकि यह सामान्य कैंसर पीड़ित महिलाओं से सिर्फ दस फीसद ज्यादा होता है। फिर भी इसको अनदेखी नहीं की जा सकती। ऐसी महिलाओं को कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम में शामिल होना चाहिए और नियमित जांच करवानी चाहिए।

सवाल-स्तन कैंसर के अन्य जोखिम क्या हैं?

डा. विपुष- स्तन में कैंसर रहित गांठ के भी बाद में कैंसर में विकसित होने की आशंका रहती है। जिन महिलाओं के स्तन में घने डिंभक होते हैं उनमें भी स्तन कैंसर का जोखिम होता है। अनियमित जीवनशैली, अधिक वजन अस्वस्थकर आहार, धूम्रपान, अल्कोहल, ढाई फैट का सेवन करने वाली महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। जिन महिलाओं को चार्लिक धर्म समय से पहले या रजोनिवृत्ति सामान्य को तुलना में बाद में होती है, उनमें भी स्तन कैंसर होने का आशंका ज्यादा होती है।

सवाल-क्या ऑपरेशन के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी से स्तन फिर से बनाया जा सकता है?

डा. विपुष- कैंसर में पूर्णतः या आंशिक ब्रेस्ट को निकालना जरूरी है परंतु अत्याधुनिक सर्जिकल तकनीक द्वारा ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टी से पूरे स्तन को फिर से बनाया जा सकता है।

सवाल- कैंसर सेंटर का चुनाव कैसे करें? एसआरएमएस में इलाज क्यों कराएं?

डा. विपुष- एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में 2007 में स्थापित आरआर कैंसर एंड रिसर्च सेंटर 17 वर्ष पुराना कैंसर सेंटर है। यहां 40 हजार से ज्यादा कैंसर के मरीज इलाज करा चुके हैं। इनमें 5000 से ज्यादा स्तन कैंसर के मरीज शामिल हैं। यहां 2 डिग्री लीनियर एक्सीलिरेटर, टू-वीम, एचडीआर ब्रेकीथेरेपी द्वारा रेडियोथेरेपी, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट, ऑन्कोसर्जरी के साथ न्यूक्लियर मेडिसिन एवं अन्य उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कैंसर के उपचार में अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञों की राय जरूरी होती है। ऐसे में यहां ट्यूमर बोर्ड और मल्टी डिसिप्लिनरी कमेटी संचालित है। जिसमें अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञ कैंसर के मरीज की स्थिति को देखते हुए उसके उचित इलाज एवं अवधि पर विमर्श करते हैं और उसके बाद उपचार आरंभ होता है। यहां प्रत्येक शनिवार को ब्रेस्ट स्क्रीनिंग क्लीनिक संचालित की जाती है। जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा स्क्रीनिंग कर परामर्श देते हैं।

SRMS श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, भोजीपुरा, बरेली ✆ 9458705555